भारत सरकार

जनजातीय कार्य मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- †3944

उत्तर देने की तारीख- 19/12/2024

जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी

†3944. श्रीमती ज्योत्स्ना चरणदास महंत:

श्री के. सुधाकरन:

क्या जनजातीय कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने स्वतंत्रता आंदोलन के विभिन्न चरणों में सक्रिय रूप से भाग लेने वाले जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों की सूची बनाई है और यदि हां, तो तत्संबंधी राज्यवार ब्यौरा क्या है;

(ख) सरकार द्वारा इतिहास की पाठ्यपुस्तकों से जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को हटा दिए जाने के क्या कारण बताए गए हैं;

(ग) देश में वर्ष 2014 से पूर्व निर्मित किए गए जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों को समर्पित स्मारकों की राज्यवार कुल संख्या कितनी है;

(घ) विगत दस वर्षों के दौरान जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों को समर्पित नए स्मारकों के निर्माण के लिए बजटीय आबंटन का राज्यवार और वर्षवार ब्यौरा क्या है; और

(ड.) जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को सम्मानित करने वाले राज्य विशिष्ट पहलों को कार्यान्वित न किए जाने के क्या कारण हैं?

उत्तर

जनजातीय कार्य राज्य मंत्री
(श्री दुर्गादास उइके)

(क): जैसा कि संस्कृति मंत्रालय ने बताया, सरकार ने उन जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों की एक सूची बनाई है जिन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन के विभिन्न चरणों में सक्रिय रूप से भाग लिया था। विस्तृत जानकारी संस्कृति मंत्रालय की वेबसाइट https://amritmahotsav.nic.in/unsung-heroes.htm पर उपलब्ध है। इसके अलावा, भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद ने संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित एक परियोजना के तहत, विभिन्न जनजातीय गुरिल्ला समूहों में 100 से अधिक जनजातीय शहीदों सहित लगभग 13000 शहीदों को शामिल करते हुए, शहीदों का शब्दकोष: भारत का स्वतंत्रता संग्राम (1857-1947) पर खंडों की एक श्रृंखला तैयार की है।

(ख): एनसीईआरटी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, जहां तक इतिहास और सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तकों का सवाल है, जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के बारे में आवश्यक जानकारी प्रसंगत: दी गई है।

विस्तृत जानकारी **अनुलग्नक-I** में है। एनसीईआरटी के सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग ने भी बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में प्राथमिक, उच्च प्राथमिक और माध्यमिक स्तर के लिए तीन मॉड्यूल तैयार करने में योगदान दिया है।

(ग) से (ङ): जनजातीय कार्य मंत्रालय ने केंद्र प्रायोजित योजना "जनजातीय अनुसंधान संस्थानों को सहायता" और "भारतीय संविधान के अनुच्छेद 275(1) के प्रावधान (परतुंक)" के अंतर्गत 10 राज्यों में 11 जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालयों को मंजूरी दी है, ताकि उन जनजातीय लोगों के वीरतापूर्ण और देशभक्तिपूर्ण कार्यों को सम्मानित किया जा सके, जिन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष किया और झुकने से इनकार कर दिया, ताकि आने वाली पीढ़ियां जान सकें कि किस तरह से जनजातियों ने राष्ट्र के लिए बलिदान दिया। इन संग्रहालयों के लिए बजटीय आवंटन का विवरण **अनुलग्नक II** में दिया गया है। संस्कृति मंत्रालय द्वारा पिछले दस वर्षों के दौरान जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों को समर्पित नए स्मारकों के निर्माण का विवरण **अनुलग्नक III** और **IV** में दिया गया है।

अनुलग्नक-I

"जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी" के संबंध में श्रीमती ज्योत्स्ना चरणदास महंत तथा श्री के. सुधाकरन द्वारा दिनांक 19.12.2024 को पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या †3944 के भाग (ख) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक - I

क्र. सं.	पाठयपुस्तक	अध्याय	पृष्ठ संख्या	टिप्पणी
1.	कक्षा VIII, *हमारा अतीत -III*	अध्याय-4 जनजातीय, दिकू और स्वर्ण युग की परिकल्पना	38-48	पाठ्यपुस्तक में 'जनजातीय, दिकू और स्वर्ण युग की परिकल्पना' शीर्षक से एक अध्याय है, जिसमें **बिरसा मुंडा** के योगदान पर विस्तृत विवेचन है। **महान जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी** की स्मृति में जारी डाक टिकट भी यहाँ दर्शाया गया है।
2.	कक्षा IX, भारत और समकालीन विश्व, भाग I	अध्याय 4 वन समाज और उपनिवेशवाद	90	अध्याय 'जंगल में विद्रोह' के बारे में बात करता है और उस संदर्भ में **सिद्धू** और **कान्हू, बिरसा मुंडा** और **अल्लूरी सीताराम राजू** के अंग्रेजों के खिलाफ आंदोलन की बात करता है।
3.	कक्षा 10, भारत और समकालीन विश्व, भाग II	अध्याय 2 भारत में राष्ट्रवाद	34-36	असहयोग आंदोलन के संदर्भ में, यह अध्याय 'ग्रामीण इलाकों में विद्रोह' के बारे में बात करता है। यहाँ आंध्र प्रदेश के **अल्लूरी सीताराम राजू** का उल्लेख है और जनजातीय किसानों ने महात्मा गांधी के संदेश की व्याख्या कैसे की, इस पर विवेचन है।
4.	कक्षा XII, भारतीय इतिहास में प्रसंग, भाग III	प्रसंग-9 उपनिवेशवाद और ग्रामीण क्षेत्र: आधिकारिक अभिलेखागार की खोज	242-245	पाठ्यपुस्तक में संथाल आंदोलन पर एक सेक्शन (भाग) है और इसमें **सिद्धू मांझी** का चित्र भी है।
5.	कक्षा XII, भारत में सामाजिक परिवर्तन और विकास	अध्याय-3 संविधान और सामाजिक परिवर्तन अध्याय-8 सामाजिक आंदोलन	35-37 123-124	पाठ्यपुस्तक में जनजातीय क्षेत्रों में पंचायत राज का उल्लेख किया गया है। अध्याय में जनजातीय आंदोलनों का उल्लेख किया गया है।
6.	कक्षा XII, भारतीय समाज	अध्याय-3, सामाजिक संस्थाएँ: निरंतरता और परिवर्तन अध्याय-5 सामाजिक असमानताओं और बहिष्कार के पैटर्न	43-48 83-85	इस अध्याय में जनजातीय समुदाय, जनजाति- अवधारणा का कैरियर, जनजातीय पहचान पर विवेचन है। इस अध्याय में जनजातीय संघर्षों का उल्लेख किया गया है।

अनुलग्नक II

"जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी" के संबंध में श्रीमती ज्योत्स्ना चरणदास महंत तथा श्री के. सुधाकरन द्वारा दिनांक 19.12.2024 को पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या †3944 के भाग (ग) से (ड.) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक - II

जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय

(रुपये करोड़ में)

क्र. सं.	राज्य	संग्रहालय का नाम	स्थान	स्वीकृति का वर्ष	जनजातीय कार्य मंत्रालय का योगदान
1.	झारखंड	बिरसा मुंडा स्मारक स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय	रांची	2017-2018	25.00
2.	गुजरात	राष्ट्रीय जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय	राजपिपला	2017-2018	50.00
3.	आंध्र प्रदेश	जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय	लम्बासिंगी	2017-2018	25.00
4.	छत्तीसगढ़	शहीद वीर नारायण सिंह संग्रहालय	रायपुर	2017-2018	35.00
5.	केरल	जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय	वायनाड	2017-2018	15.00
6.	मध्य प्रदेश	बादल भोई राज्य जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय	छिंदवाड़ा	2017-2018	25.69
7.	मध्य प्रदेश	राजा शंकर शाह कुंवर रघुनाथ शाह स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय	जबलपुर	2019-20	14.39
8.	तेलंगाना	जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय	हैदराबाद	2018-19	25.00
9.	मणिपुर	रानी गाइदिनल्यू जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय	लुआंगकाओ, तामेंगलोंग	2018-19	15.00
10.	मिजोरम	रोपुइलियानी जनजातीय स्वतंत्रता जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय	केल्सिह	2019-20	18.00
11.	गोवा	जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय	पोंडा	2020-21	15.00

अनुलग्नक -III

"जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी" के संबंध में श्रीमती ज्योत्स्ना चरणदास महंत तथा श्री के. सुधाकरन द्वारा दिनांक 19.12.2024 को पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 3944 के भाग (ग) से (ड.) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक - III

श्री अल्लूरी सीताराम राजू की 125वीं जयंती का स्मरणोत्सव

क्र. सं.	संस्थाओं/संगठनों का नाम	उद्देश्य
1.	क्षत्रिय सेवा समिति, नल्लाकंटा, हैदराबाद	मोगल्लू/भीमावरम, आंध्र प्रदेश में अल्लूरी सीताराम राजू के ऐतिहासिक स्मारक के निर्माण के लिए [2022-23]
2.	क्षत्रिय सेवा समिति, 103, ब्लॉक-2, क्षत्रिय टावर्स-2-1-284, नल्लाकुंटा, हैदराबाद	पंडरंगी, आंध्र प्रदेश में अल्लूरी सीताराम राजू के नाना के घर के पुन:निर्माण करने और चिंतापल्ली में पुलिस स्टेशन पुन:निर्माण के लिए।

अनुलग्नक -IV

"जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी" के संबंध में श्रीमती ज्योत्स्ना चरणदास महंत तथा श्री के. सुधाकरन द्वारा दिनांक 19.12.2024 को पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या †3944 के भाग (ग) से (ड.) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक - IV

नागालैंड के पेरेन जिले में रानी गाइदिनल्यू सांस्कृतिक केंद्र का निर्माण

क्र. सं.	संस्थाओं/संगठनों का नाम	उद्देश्य	वर्ष
1	नागालैंड कला एवं संस्कृति परिषद, नागालैंड सरकार (पूर्वोत्तर क्षेत्र)	रानी गाइदिनल्यू की जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में में रानी गाइदिनल्यू सांस्कृतिक केंद्र (पेरेन) नागालैंड निर्माण के लिए।	2016-17
2	नागालैंड कला एवं संस्कृति परिषद, नागालैंड सरकार (पूर्वोत्तर क्षेत्र)	रानी गाइदिनल्यू की जन्म शताब्दी के अंतर्गत जिला पेरेन (नागालैंड) में रानी गाइदिनल्यू सांस्कृतिक केंद्र के निर्माण के लिए।	2018-19

*****